राज्य के लोकगीत

1. मूमल
जैसलमेर में गाया जाने वाला श्रृंगारिक लोकगीत।

2. ढोलामारु
यह सिरोही का लोकगीत है।

3. गोरबंद
ऊँट के गले का आभूषण गोरबंद पर मरुस्थलीय व शेखावाटी क्षेत्रों में लोकप्रिय' गोरबंद' गीत प्रचलित है।

4. ओल्यूँ
ओल्यूँ किसी की याद में गाई जाती है। जैसे बेटी की विदाई पर उसके घर की स्त्रियाँ इसे गाती हैं।

5. काजलियो
एक श्रृंगारिक गीत जो विशेषकर होली के अवसर पर चंग पर गाया-बजाया जाता है।

6. कुरजाँ
विरहनी द्वारा अपने प्रियतम को संदेश भिजवाने हेतु गाया जाने वाला लोकगीत ।

7 . घूमर
राजस्थान के प्रसिद्ध लोकनृत्य घूमर के साथ गाया जाने वाला गीत है।

राज्य के लोकगीत

8. पणिहारी

राजस्थान का प्रसिद्ध लोकगीत जिसमें राजस्थानी स्त्री का पतिव्रत धर्म पर अटल रहना बताया गया है।

9. कांगसियो

कंघे पर प्रचलित लोकगीत।

10. पावणा

नए दामाद के ससुराल में आने पर स्त्रियों द्वारा 'पावणा' गीत गाए जाते हैं।

11. कामण

वर को जादू-टोने से बचाने हेतु गाए जाने वाले गीत ।

12. रातीजगा

रात भर जाग कर गाए जाने वाले किसी देवता के गीत ।

13. हिचकी

अलवर-मेवात का प्रसिद्ध गीत ।

14. पपैयो

दाम्पत्य प्रेम के आदर्श का परिचायक गीत ।

15 . झोरावा

जैसलमेर जिले में पति के परदेस जाने पर उसके वियोग में गाए जाने वाले गीत 'झोरावा' कहलाते हैं।

RAJASTHAN CLASSES

राज्य के लोकगीत

16. सूंवटिया
भीलनी स्त्री द्वारा परदेस गए पति को इस गीत के द्वारा संदेश भेजा जाता है।

17. दुपट्टा
शादी के अवसर पर दूल्हे की सालियों द्वारा गाए जाने वाला गीत ।

18. हमसीढ़ो
उत्तरी मेवाड़ के भीलों का प्रसिद्ध लोकगीत। इसे स्त्री और पुरुष साथ में मिलकर गाते हैं।

19. पीपली
शेखावाटी, बीकानेर तथा मारवाड़ के कुछ भागों में स्त्रियों द्वारा वर्षा ऋतु में गाया जाने वाला विरह लोकगीत।

20. हरजस
राजस्थानी महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले सगुणभक्ति लोकगीत ।

21. जलो जलाल
वधू के घर से स्त्रियाँ जब वर की बारात का डेरा देखने जाती है, तब यह गीत गाया जाता है।

22. रसिया
ब्रज, भरतपुर, धौलपुर आदि क्षेत्रों में गाए जाने वाले गीत।

राज्य के लोकगीत

23. लावणी
शृंगारिक व भक्ति संबंधी गीत ।

24. सीठणे
'गाली' गीत जो विवाह समारोहों में खुशी व आत्मानंद के लिए गाए जाते हैं।

25. सुपणा
विरहणी के स्वप्न से सम्बन्धित गीत ।

26. लांगुरिया
करौली क्षेत्र की कुल देवी 'कैला देवी' की आराधना मे गाए जाने वाले गीत ।

27. बीछूड़ो
हाड़ौती क्षेत्र का एक लोकप्रिय गीत है।

28. घुड़ला
मारवाड़ क्षेत्र में होली के बाद घुड़ला त्यौहार के अवसर पर कन्याओं द्वारा गाये जाने वाला लोकगीत।

29. पंछीड़ा
हाड़ौती व ढूँढाड़ क्षेत्र में मेलों के अवसर पर अलगोजे, ढोलक व मंजीरे के साथ गाये जाने वाला लोक गीत ।

राज्य के लोकगीत

31. केसरिया

बालम इस गीत में पति की प्रतीक्षा करती हुई एक नारी की विरह व्यथा है। यह एक रजवाड़ी गीत है।

32. मोरिया

इस सरस लोकगीत में ऐसी बालिका की व्यथा है जिसका संबंध तो तय हो चुका है लेकिन विवाह में देरी है।

33. जीरो

इस गीत में ग्राम वधू अपने पति से जीरा नहीं बोने की विनती करती है।

34. चिरमी

इस लोक गीत में चिरमी के पौधे को संबोधित कर बाल ग्राम वधू द्वारा अपने भाई व पिता की प्रतीक्षा के समय की मनोदशा का चित्रण है|

राजस्थान सामान्य ज्ञान

वन लाइनर प्रश्न-उत्तर

500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान

लाइव क्लास की सभी पीडीएफ

फ्री डाउनलोड करें

क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK

(टॉपिक वाइज नोट्स)

Free PDF

Click Here

RAJASTHAN CLASSES

राजस्थान क्लासेज

By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें
Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें
Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी
Click Here